पाठ–4

अहिंसा और प्रेम

प्रश्न - उत्तर

• सोचो और बताओ -

प्र०(क) राजा प्रसेनजित की राजधानी का क्या नाम था?

उ० राजा प्रसेनजित की राजधानी का नाम श्रावस्ती था।

प्र०(ख) कोशल की प्रजा किससे त्रस्त थी?

उ० कोशल की प्रजा डाकू अंगुलिमाल से त्रस्त थी।

प्र०(ग) महात्मा बुद्ध ने पहरेदार से क्या कहा?

उ० महात्मा बुद्ध ने पहरेदार से कहा, "मेरे लिए किसी प्रकार की चिंता न करो।"

प्र०(घ) महात्मा बुद्ध को अचानक क्या आवाज़ सुनाई पड़ी?

उ० महात्मा बुद्ध को अचानक "ठहर जा" आवाज़ सुनाई पड़ी।

प्र०(ङ) बुद्ध के चरणों में कौन गिर पड़ा?

उ० बुद्ध के चरणों में डाकू अंगुलिमाल गिर पड़ा।

प्र०(च) अंगुलिमाल का आकार कैसा था?

उ० अंगुलिमाल का ऊँचा कद, काला शरीर, भयानक चेहरा, लाल आँखे, बिखरे बाल, बड़ी-बड़ी मुछे, लंबी मजबूत भुजाएँ, चौड़ा सीना, ऐसा आकार था।

PAGE NO.:
DATE: / /

. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दो-

प्र.(क) राजा प्रसेनजित कहाँ के राजा थे ?

उ० राजा प्रसेनजित कोशल प्रदेश के राजा थे।

प्र०(ख) प्रसेनजित किसके शिष्य थे ?

उ० प्रसेनजित महात्मा बुद्ध के शिष्य थे।

प्र०(ग) अंगुलिमाल कौन था ?

उ० अंगुलिमाल एक क्रूर डाकू था।

प्र०(घ) घनी झाड़ियों से कौन निकला ?

उ० घनी झाड़ियों से डाकू अंगुलिमाल निकला।

प्र०(ङ) महात्मा बुद्ध के उपदेश का अंगुलिमाल पर क्या प्रभाव पड़ा ?

उ० महात्मा बुद्ध के उपदेश का अंगुलिमाल पर यह प्रभाव पड़ा कि उसने हिंसा का जीवन सदा के लिए त्याग दिया और वह भगवान बुद्ध का शिष्य बन गया।